चारधाम तीर्थयात्रा के लिये विनियामक प्रणाली

चर्चा में क्यों?

तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ से मजबूर होकर, उत्तराखंड सरकार वर्ष 2019 के **'देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड'** के समान चारधाम तीर्थयात्रा हेतु एक विनियामक प्रणाली शुरू करने के लिये तैयार है, जिसे पुजारियों के विरोध के कारण छोड़ दिया गया था।

मुख्य बिंदु:

- सरकार ने राज्य में **चारधाम और अन्य धार्मिक तीर्थयात्राओं को विनियमित करने हेतु एक 'नए प्राधिकरण या संस्थान' के गठन का सुझाव देने के लिये एक विशेष उच्च-स्तरीय समिति (HLC)** का गठन किया है।
- राज्य सरकार द्वारा गठित HLC को भविष्य में उत्तराखंड में तीर्थयात्राओं के सुचारु और निर्बाध विनियमन पर ध्यान देने का कार्य सौंपा गया है।
- यह **गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिरों** के लिये चल रही चारधाम यात्रा में भक्तों के दैनिक प्रवाह की निगरानी तथा विनियमन भी करेगा।

चार धाम यात्रा

//
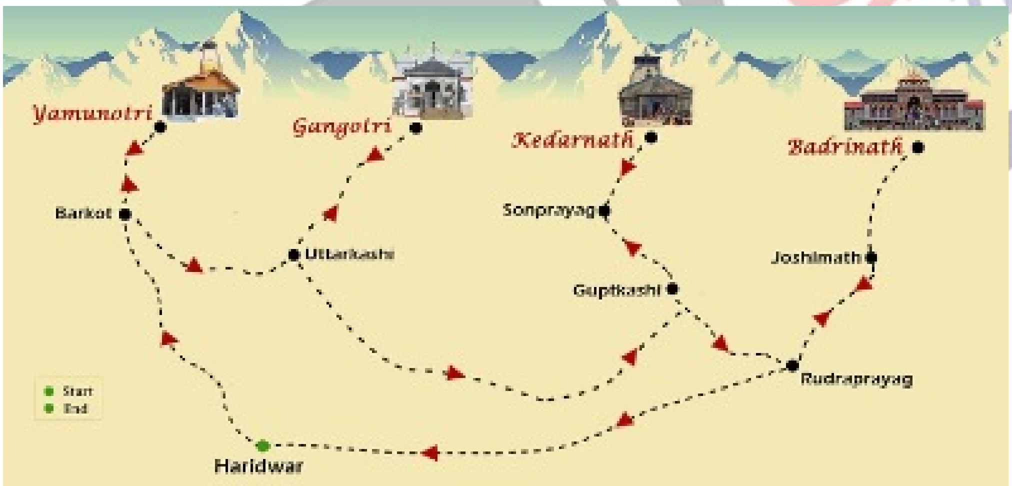

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना।
  - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा।
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - **समर्पित: भगवान शिव**।
  - **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।

- भारत में **12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर का स्थान।
  - **समर्पित:** भगवान विष्णु।
  - वैष्णवों के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/regulatory-system-for-chardham-pilgrimage